



१६
२७/३/८६

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड ३—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 498]

नई दिल्ली, सौमवार, अक्टूबर 14, 1985/आश्विन 22, 1907

No. 498]

NEW DELHI, MONDAY, OCTOBER 14, 1985/ASVINA 22, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

गृह संसालय

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर, 1985

श्रद्धालु

का. आ. 754 (अ).—पंजाब पूर्णगठन अधिनियम, 1966
(1966 का 31) की धारा 73 की उपधारा (1) के अधीन, उक्त उपधारा के खण्ड (i) से (vii) में निर्दिष्ट कामनियां, 1 नवम्बर, 1966 को और से, ऐसे क्षेत्रों में, जिनमें उक्त कामनियां उस दिन से ठीक पूर्व कार्य कर रही थीं, ऐसे निवेशों के अधीन रहते हुए, जो केंद्रीय सरकार ऐसे कार्य करने के संबंध में समय-समय पर जारी करे, तब तक दार्य की रही थी, और हिरियाणा और हिमाचल प्रदेश राज्यों तथा चण्डीगढ़ संघ राज्य क्षेत्र के संबंध में संघ (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् “उत्तरवर्ती राज्य” कहा गया है) के बीच किसी कारार में अन्यथा उत्पन्न न किया जाए,

और उत्तरवर्ती राज्यों ने परस्पर यह कारार कर लिया है कि:

- (i) पंजाब राज्य द्वाय, जैसा कि वट 1 नवम्बर, 1966 के ठीक पूर्व विद्यमान था, ऊपर निर्दिष्ट कामनियों में धारित शेर, पंजाब, हिरियाणा और हिमाचल प्रदेश राज्यों तथा चण्डीगढ़ संघ राज्य क्षेत्र के संबंध में संघ को क्रमशः 54.84 : 37.38 : 7.19 : 0.59 के अनुपात में आवंटित किए जाएंगे।
- (ii) हिरियाणा और हिमाचल प्रदेश राज्य तथा संघ क्रमशः उन्हें अवार्दित शेर, पंजाब राज्य को अन्तरित करेंगे;

(iii) पूर्वोक्त प्रत्येक कम्पनी के शेरों का मूल्य उन कामनियों के लेखापरीक्षित तुलन पत्रों के आधार पर, जैसे कि वे किसी ऐसी तारीख को थे जिस पर सहमति हुई थी, अवधारित किया जाएगा; और

(iv) पंजाब राज्य सरकार उस गज्य को अन्तरित शेरों के बदले इस प्रवार अवार्दित मूल्य के अनुसार अन्य उत्तरवर्ती राज्यों को नवद मंदाय करेगी;

और इस कम्पनी के सामने लिखित रूप पर, कम्पनी के प्रत्येक शेर के मूल्य के संबंध में, जो नीचे विरिदिष्ट है, भारत सरकार का अनुमोदन प्रत्येक उत्तरवर्ती राज्य को संसूचित कर दिया गया है।

कम्पनी का नाम

निम्नलिखित प्रत्येक मूल्यांकन का
तारीख को शेर अनुमोदन करने
समाप्त होने का वाले भारत सर-
कारी अवधि मूल्य कार के पच की
के लिए विशिष्टियां
तुलन पत्र

दि	पंजाब हेरी डेवलपमेंट कार-	31-3-1967	रु.	ग्र. मं. का
	पोरेशन लिमिटेड	4.45	पत्र	सं. 17/

42/67-एसबैर

तारीख 27

अगस्त, 1971

श्रीरामचandra ने यह लिखी है कि वह "पंजाब राज्य को संदाय कर दिया गया है और इह संघरण के पुर्णत एवं उपर्युक्त वित्तीय समार्थन प्राप्त कर दिया गया है।

श्रीराम की प्राप्ति तथा विनीत समायाचल की यस दशावधि साझों हासा पुष्टि हो रही है।

अतः अब केवलीय सरकार, हिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम, 1970 (1970 का 53) की धारा 38 पर अधिकार (2) के मात्र पठित पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966 (1966 का 31) वो 54.84 : 37.38 : 7.79 : 0.79 वित्तीय समार्थन प्राप्त करने होंगे—

(क) उत्तरवाली गाँड़ी के बीच उपर विभिन्न राज्य और दिलाय समायाचलों को पुष्टि करनी है।

(ख) नियंत्रण देती है कि—

(i) पंजाब सरकार इस आधिकारीय वार्षीय दस्ते के पश्चात संथापक भीत्र, पूर्वोंत कल्पनों वे भवस वापरने और समझ अद्वितीयों से जूटी आवश्यक हो, भवान्त दरवाजों ताकि उत्तरवाली पंजाब यात्रा ने संभित रहे;

(ii) पूर्वोंत कम्पनी के संगम जापानी और संगम-जननचलदारों में प्रतिक्रिया क्लियरों में उपर्युक्त वित्तीय विभिन्नता नहीं रहनी प्राप्त रहे ताकि इस वार्षीय दस्ते के विवरक द्वारा से हरियाणा सरकार, हिमाचल प्रदेश सरकार और बंगलोरु प्राप्ति संग्रहन प्रकारी दात हैं पहले राज्य में संभित रहे;

(iii) उपर्युक्त (II) के उपरवाली के हासी हुए भी, जब उक्त संग्रहित संगम-अनुसूचितों के उत्तरार नया नियंत्रण देते हों तो उपर्युक्त कम्पनी के नियंत्रक द्वारा से हरियाणा सरकार, हिमाचल प्रदेश सरकार और बंगलोरु प्राप्ति संग्रहन प्रकारी दात हैं पहले राज्य में संभित रहे। प्रारं

(iv) कम्पनी के संग्रहित संगम-अनुसूचितों के अनुसार नियंत्रक द्वारा के उपर्युक्त वी नारीव ने भारत सरकार के द्वारा संवालव वी अधिग्रहना 17/82-66 इति आग वारीब 15 करवारी, 1967 (का अ. 546, वार्षिक 15 करवारी, 1967) उम कम्पनी के संबंध में प्राप्ति नहीं है।

[मेरा 1-10-1971 द्वारा प्राप्त]
मेरा श्री, संकेत संविव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi, the 14th October, 1985

NOTIFICATION

S.O. 754(E).—Whereas under sub-section (1) of Section 73 of the Punjab Reorganisation Act, 1966 (31 of 1966), the companies referred to in clauses (i) to (vii) of the said sub-section shall, on and from the 1st day of November, 1966 continue to function in the areas in which the said companies were functioning immediately before that day, subject to such directions as the Central Government may from time to time issue in relation to such

functioning, until otherwise provided for in any law or in any agreement among the States of Punjab, Haryana and Himachal Pradesh and the Union in relation to the Union Territory of Chandigarh (hereinafter referred to as "successor States");

And, whereas the successor States have mutually agreed—

- (i) that the shares held by the States of Punjab as it existed immediately before the 1st day of November, 1966, in the companies referred to above shall be allocated to the States of Punjab, Haryana and Himachal Pradesh and the Union in relation to the Union Territory of Chandigarh in the ratio of 54.84 : 37.38 : 7.79 : 0.79 respectively;
- (ii) that the States of Haryana and Himachal Pradesh and the Union shall transfer to the State of Punjab the shares allocated to them respectively;
- (iii) that the value of the shares of each of the companies aforesaid shall be determined on the basis of audited balance sheets of respective companies as on a date mutually agreed upon; and
- (iv) that the Government of the State of Punjab shall make cash payment to the other successor States according to the value so determined in lieu of the shares transferred to that State;

And, whereas approval of the Government of India to the value of each share of the company specified hereunder being taken at the amount noted against it has been communicated to each successor State—

Name of the Company	Balance sheet for the period ending	Value of each share	Particulars of the letter from the Government of India approving valuation.
The Punjab Dairy Development Corporation Limited.	31.3.1967	Rs. 4.4,	MHA Letter No. 17/42/67-SR dated 27th August, 1971

And, whereas the Government of Punjab has reported that payment to the other successor States has been made and financial adjustments in accordance with the Ministry of Home Affairs letter aforesaid have been completed:

And, whereas the receipt of the amounts and financial adjustments have been confirmed by the other successor States;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 73 of the Punjab Reorganisation Act, 1966 (31 of 1966), read with sub-section (2) of section 38 of the State of Himachal Pradesh Act, 1970 (53 of 1970), the Central Government hereby—

- (a) confirms the agreement and the financial adjustments referred to above among the successor States;

(b) directs that :-

- (i) the Government of Punjab shall, as soon as may be after the issue of this notification, cause the memoranda and articles of association of the company aforesaid, amended, where necessary, so as to confine its operations to the State of Punjab;
- (ii) with the requisite amendments in the memorandum and articles of association of the company aforesaid, the company shall cease to be an inter-State body corporate and its operations shall, as from the date on which such amendments take effect, be confined to the State of Punjab;
- (iii) notwithstanding the provisions of sub-clause (ii), until a new Board of Directors

tors is constituted in terms of the amended articles of association, the persons appointed by the Government of Hary-ana, the Government of Himachal Pra-desh and the Administrator of Chandigarh on the Board of Directors of the company aforesaid, shall continue to hold the office of director, and

- (iv) as from the date of the reconstitution of the Board of Directors in terms of the amended articles of association of a company the notification of the Government of India in the Ministry of Home Affairs No. 17/82 66 SR, dated the 15th February, 1967 (S.O. 596, dated the 15th February, 1967) shall cease to have effect in relation to that company.

[No. S-12013/3/85 SR]
S. R. ARYA, Jt. Secy.

